सारथी

"स्वतन्त्रता की स्वर्ण जंयती"

दिनांक 6-8-97

दोस्तो,

स्वन्त्रता दिवस का अर्थ सिर्फ झण्डा फहराना या भषण सुनना नहीं है, बल्कि उस दिन हम आजादी के कई पहलुओं को समझने का प्रयास करते है।

आपको याद होगा 14 अगस्त 1988 को स्व0 कमला देवी चटोपध्याय जी हमारे बुनकरों द्वारा बनाया गया तिंरगा कलाकारों की अन्य को-आपरेटिव सोसायटी की नई पीढी को सौपा था। उस दिन से आज तक हम हर वर्ष एक विशेष विषय को लेकर स्वत्रंता दिवस मनाते आये है। आजादी शब्द जीवन का अन्तिम लक्ष्य स्पष्ट करता है यह गरीबी तथा भूख, बीमारी तथा प्रदूषण गुलामी एवं अन्याय; लालच व शोषण एवं बेरोजगारी के अन्धविश्वासों से मुक्ति दिलाने का सुझाव देता है। इस वर्ष का विषय है।

"गन्दगी से मुक्ति"

गन्दगी सभी बीमारियों की जड़ है। यदि हम खुद अपने आस-पास पड़ौस को साफ रखें एवं अपने दैनिक आचरण में थोड़ा सा बदलाव लाये तो हम एक स्वस्थ जीवन की आभिलाषा कर सकते है। एक स्वस्थ इंसान ही केवल आजादी का फल भोग सकता है।

आज से ठीक पचास वर्ष पूर्व हमारा देश स्वन्त्रत हुआ, 15 अगस्त 1947 को सबसे पहले तिंरगा देश के घर-घर में फहराया। आजाद भारत ने इन पचास वर्षो में काफी तरक्की की लेकिन कई मायने में हम अब भी आजाद नहीं है।

आन्दोलन के दौरान देश के कलाकारों चिन्तको, कवियों, लेखको आदि को अभिव्यक्ति की आजादी नही थी फिर भी चोरी छिपे पोस्टर बैनर पर्चे, भाषण, कविता, गीत, कार्टून आदि के जरिये सृजनशील लोगों ने अपनी बात जनता तक पहुँचाई।

आजादी की 50 वीं सालगिरह आज सिर्फ हमारा देश ही नहीं मना रहा है बल्कि हमारे साथ हमार पड़ोसी पाकिस्तान एवं श्रीलंका भी मना रहा है। क्षेत्र का दुर्भाग्य था कि एक देश टुकड़ो में बटा और आज इन देशों का जो पैसा विकास कार्य पर लगना था वह सिर्फ लड़ाई के साजो सामान पर खर्च किया जा रहा है। आज 50 साल बाद यह महसूस होने लगा है कि बटवारा अधिकत्तर राजनैतिक था। जहाँ हमारे सांस्कृतिक, भोगौलिक एवं सामाजिक बंधन एक दूसरे से गुथेबुने हुए है, वहाँ हम एक दूसरे के दुश्मन कैसे रह सकते है? आज तीनों देशों में चेतना जगाकर जनता आपसी मेल मुलाकात से सरहद को दीवार बनने से रोक सकती है।

सारथी इस पूरे वर्ष में हिन्दुस्तान, पाकिस्तान एवं श्रीलंका के अलावा बांगलादेश, भूटान, एवं नेपाल से सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरियें एक नया माहौल बनाने के लिये प्रयत्नशील हैं जो इस भूखण्ड के इतिहास को फिर से जोड़ सकें।

इस विषय में हम आपसे अपेक्षा करते है यदि आपके जेहन में आजादी अथवा क्षेत्र की खुशहाली से संबन्धित कोई घटना कोई गीत, कविता, लेख आदि याद आते है तो अपनी कृति से अथवा सुझाव सारथी को अवगत करायें। सारथी को हमेशा आपके सुझावों की प्रतीक्षा रहेंगी।

निमत्रंण

मित्रों

आप एक अनोखा स्वन्त्रता दिवस समारोह मनाने के लिये सादर आमन्त्रित है। आपसे निवेदन है कि 14 अगस्त 9 बजे प्रातः भूले बिसरे कलाकार वर्कशाप कठपुतली कौलोनी शादीपुर डिपो में पहुचंने की कृपा करें।

कार्यक्रम स्थल .... भूले बिसरे कलाकार वर्कशाप
कठपुतली कौलानी, शादीपुर डिपो, नई दिल्ली - 8.

दिनांक : 14 अगस्त 1997 प्रातः 9 बजे

झंडारोहण के बाद इस दिन पूरी बस्ती में सफाई कार्यक्रम का अवलोकन होगा। फिर पूरी बस्ती मेले के रूप में बदल जाएगी। बस्ती में आपका स्वागत है।

साथ में आपकों तिंरगें का वन्धनवार भेजा जा रहा है कृपया इस तोरण को अपने मुख्य द्वार पर अवश्य लगायें। लिखें हुए सुझावों को अपने दैनिक जीवन के आचरण में ढालें।

सारथी - फ्लैट न0 4, शंकर मार्किट, कनाट प्लेस, दिल्ली - 110001. फोन : 3323744, 3315107 फैक्स : 3314065